दैनिक भारत कि

तामीर

संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com

Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin

बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-३०८ वा | सोमवार ९ जून २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

बीड शहर के बीच से बहने वाली बिंदुसरा नदी २५ साल बाद हुई स्वच्छ; अजीत पवार की पहल और संदीप क्षीरसागर के प्रयासों का मिला फल

संदीप क्षीरसागरने उपमुख्यमंत्री अजित पवार का जताया आभार

बीड, ७ जून (प्रतिनिधि):
बीड शहर की जीवनधारा मानी जाने वाली बिंदुसरा नदी को २५ वर्षों से जकड़े हुए गंदगी के शिकंजे से आखिरकार आज़ादी मिल गई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं बीड के पालकमंत्री अजीत पवार की पहल पर शुरू हुई विशेष सफाई मुहिम के चलते नदी ने वर्षों बाद मुक्त साँस ली है। बीड शहर के विधायक संदीप क्षीरसागर ने इस ऐतिहासिक कार्य के लिए उपमुख्यमंत्री अजित पवार का विशेष आभार व्यक्त किया है।

अजीत पवार के निर्देशानुसार २० मई २०२५ से बिंदुसरा नदी की सफाई और गहराईकरण का काम तत्काल प्रभाव से प्रारंभ किया गया। खास बात यह रही कि इस महत्त्वपूर्ण कार्य के लिए कोई टेंडर या अन्य विलंबकारी प्रक्रिया नहीं अपनाई गई, बल्कि सीधे प्रशासनिक मशीनरी को कार्य में लगाया गया। जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग, बीड नगर परिषद, जायकवाड़ी पाटबंधारे विभाग, जलसंपदा विभाग, भारतीय जैन संगठन और नाम फाउंडेशन जैसी संस्थाओं ने मिलकर १७ दिनों तक निरंतर सफाई अभियान चलाया।

इस मुहिम के चलते नदी की स्थिति में व्यापक सुधार हुआ और बीते सप्ताह हुई भारी बारिश के बावजूद बीड शहर में बाढ़ की कोई स्थिति उत्पन्न नहीं हुई। यहाँ तक कि बिंदुसरा धारण की बड़ी चादरों से पानी बहने के बावजूद शहर सुरक्षित रहा। अब बिंदुसरा नदी में जल संचय की भी बेहतर व्यवस्था बन गई है, जिससे आने वाले समय में जल संकट से राहत मिलने की उम्मीद है।

विधायक संदीप क्षीरसागर ने कहा कि बिंदुसरा नदी की सफाई के कारण अब बीड शहर को बाढ़ से खतरा काफी हद तक कम हो गया है और इसके लिए बीडवासी हमेशा अजीत पवार के ऋणी रहेंगे।

सहयोगी यंत्रणाओं का भी आभार

विधायक संदीप क्षीरसागर ने जिलाधिकारी समेत उन सभी सरकारी और सामाजिक संगठनों का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने बिंदुसरा नदी की सफाई मुहिम में सक्रिय भागीदारी निभाई। उनका कहना है कि यह सामूहिक प्रयास बीड के लिए प्रेरणादायक मिसाल बन गया है।

स्व.आर.टी.देशमुख संयम और निष्ठा का प्रतीक थे-पंकजा मुंडे

गंगापूजन कार्यक्रम में भावुक होकर व्यक्त की स्व. देशमुख से जुड़ी यादें

परळी वैजनाथ, ८ जून:

स्वर्गीय पूर्व विधायक आर.टी. देशमुख की स्मृति में आयोजित गोडजेवण (गंगापूजन) कार्यक्रम में महाराष्ट्र की पर्यावरण एवं पशुसंवर्धन मंत्री पंकजा मुंडे ने भावुक होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने स्व. देशमुख से जुड़ी अनेक यादों को साझा किया और उन्हें संयम, निष्ठा, प्रेम और अपनापन का प्रतीक बताया।

मंत्री पंकजा मुंडे ने कहा, देशमुख जी सिर्फ एक राजनीतिक सहयोगी नहीं थे, बल्कि मेरे लिए भावनात्मक सहारा थे। कई बार जब मैं मुश्किलों में थी, उन्होंने मुझे मार्गदर्शन दिया। उनके चेहरे पर कभी चिंता या घबराहट नहीं दिखी। वे अत्यंत शांत, संयमी और आत्मीय स्वभाव के व्यक्ति थे। उनका अचानक जाना मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति है। यह एक बहुत बड़ी रिक्तता है।

कार्यक्रम के दौरान हभप यशवंत महाराज पाटील द्वारा कर्तव्यनिष्ठ जीवन की प्रेरणा' विषय पर भावस्पर्शी कीर्तन प्रस्तुत किया गया। कीर्तन के दौरान पंकजा मुंडे की आंखों में आंसू छलक उठे।

इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में राजनीतिक, सामाजिक क्षेत्रों के अनेक गणमान्य व्यक्तियों सहित ग्रामवासी और स्व. देशमुख के हितचिंतक बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

बीड़ जिले में ईद-उल-अज़हा शांतिपूर्वक और श्रद्धा के साथ मनाई गई

रिपोर्ट: बीड़ संवाददाता

७ जून को बीड़ शहर और जिले के सभी तालुकों में ईद-उल-अज़हा का त्योहार पूरी श्रद्धा, शांति और भाईचारे के वातावरण में मनाया गया। शहर की ईदगाहों और दर्जनों मस्जिदों में नमाज़-ए-ईद अदा की गई, जहां लोगों ने देश की सलामती, अमन, भाईचारे और एकता के लिए विशेष दुआएं मांगी।

इस बार कुर्बानी विशेष रूप से बकरों पर केंद्रित रही, जिसके कारण हजारों किसानों और पशुपालकों को अच्छे दाम प्राप्त हुए। यह त्योहार केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं रहा, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी एक सकारात्मक अवसर बन गया।

पुलिस और प्रशासन द्वारा सुरक्षा के कड़े और संतुलित इंतज़ाम किए गए, जिससे किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की कोई खबर नहीं आई। त्योहार की शांतिपूर्ण सम्पन्नता ने बीड़ जिले की गंगा-जमुनी तहज़ीब और सामाजिक समरसता की परंपरा को और मजबूत किया।

बीड़ में ईद-उल-अज़हा का इस तरह शांतिपूर्ण आयोजन, सामाजिक सौहार्द और प्रशासन की सजगता का प्रमाण है। यह त्योहार जब आर्थिक, धार्मिक और सामाजिक स्तर पर सकारात्मक संदेश दे, तो वास्तव में यही उसकी सार्थकता है।

अडानी के लिए मोदी का फोन आते ही देवेंद्र करते हैं सरेंडर: वर्षा गायकवाड़ का भाजपा पर तीखा हमला

मुंबई के कुर्ला में मदर डेयरी की ज़मीन सौंपने के विरोध में मुंबई कांग्रेस का प्रदर्शन

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

मुंबई की जमीनें अडानी समूह को सौंपे जाने को लेकर सियासत गर्मा गई है। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड़ ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अडानी को मुंबई की ज़मीनें सौंपने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें लगातार स्थानीय जनता की अवहेलना कर रही हैं। उन्होंने कहा, यह सरेंडर सरकार है - जब डोनाल्ड ट्रंप का फोन आता है तो नरेंद्र मोदी सरेंडर हो जाते हैं, और जब अडानी के लिए मोदी का फोन आता है तो देवेंद्र फडणवीस सरेंडर हो जाते हैं।

कुर्ला स्थित मदर डेयरी की ज़मीन को अडानी समूह को देने के विरोध में रविवार को कांग्रेस ने बड़ा प्रदर्शन किया। सांसद गायकवाड़ के नेतृत्व में आयोजित इस आंदोलन में विधायक ज्योति गायकवाड़, सुभाष भालेराव, प्रवक्ता सुरेशचंद्र राजहंस, मुंबई महासचिव महेंद्र मुणगेकर, संदीप शुक्ला, अवनीश सिंह, अशरफ आज़मी, वंदना साबळे, अजंता यादव, इंदूप्रकाश तिवारी, राजेश इंगळे समेत अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

सांसद गायकवाड़ ने आरोप लगाया कि

जब कांग्रेस शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रही थी, तब सरकार ने पुलिस बल भेजकर आवाज़ दबाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, मोदानी एंड कंपनी जनता के अधिकार छीन रही है। मुंबईकरों की ज़मीनें हड़पी जा रही हैं और सरकार लुटेरों को संरक्षण दे रही है। लेकिन कांग्रेस इस दमन के आगे झुकने वाली नहीं है। हम मुंबई और मुंबईकरों के हक़ के लिए अडानी सरकार के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि धारावी पुनर्विकास के नाम पर ६०० एकड़ ज़मीन हड़पने के बाद कुर्ला मदर डेयरी, मिठागर, देवनार, मढ-आक्सा की ५४१ एकड़ ज़मीन भी अडानी को मुफ्त में दी गई। बांद्रा रिक्लेमेशन, एअर इंडिया कॉलोनी, बेहरामपाड़ा और मोतीलाल नगर की शासकीय ज़मीनें भी कब्जे में ली जा रही हैं। कुर्ला मदर डेयरी की ज़मीन पर हजारों पुराने पेड़ हैं और स्थानीय लोग वहां बॉटनिकल गार्डन की मांग कर रहे हैं, लेकिन अडानी के फायदे के लिए यह ज़मीन नाममात्र दर पर सौंप दी गई है।

फडणवीस क्या चुनाव आयोग के प्रवक्ता हैं? वर्षा गायकवाड़ ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब राहुल गांधी ने चुनाव आयोग से सवाल पूछे हैं, तो उसका जवाब फडणवीस क्यों दे रहे हैं? क्या वे चुनाव आयोग के प्रवक्ता हैं? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने मतदान के आखिरी घंटों में अचानक वोटिंग प्रतिशत बढ़ने पर ठोस तथ्यों के साथ सवाल उठाए हैं, जिनका जवाब अभी तक आयोग नहीं दे सका है, लेकिन फडणवीस जवाब दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में जो धांधली हुई है, उसका जवाब चुनाव आयोग को देना ही होगा, क्योंकि यह लोकतंत्र और संविधान की रक्षा का मामला है।

उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश

'सरेंडर' पर घमासान: ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राहुल गांधी का बचाव, प्रधानमंत्री पर तंज और विदेश नीति पर सवाल

नई दिल्ली, ८ जून (विषेश प्रतिनिधि):

वायरल पॉडकास्ट खरी बात में पत्रकार विनोद अग्निहोत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पुर्व केंद्रीय मंत्री तारिक अनवर के बीच हुई संवादात्मक चर्चा ने राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में नई बहस को जन्म दे दिया है। चर्चा का केंद्र रहा कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बयान- ट्रंप ने कहा रुको, और मोदी जी रुक गए- जिसे बीजेपी ने सेना का अपमान बताया, लेकिन तारिक अनवर ने इसका तार्किक बचाव किया।

सरेंडर' बयान पर सफाई:

विनोद अग्निहोत्री द्वारा पूछे गए सवाल पर तारिक अनवर ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी ने सेना की नीयत, बहादुरी या बलिदान पर कोई सवाल नहीं उठाया। उनका बयान सरकार की विदेश नीति, निर्णय प्रक्रिया और अमेरिकी दबाव में लिए गए कथित फैसलों पर सवाल खड़ा करने के उद्देश्य से था। 'सरेंडर' एक सवालिया टिप्पणी थी, न कि अपमानजनक।

ऑपरेशन से पहले जानकारी उजागर करने पर नाराज़गी:

तारिक अनवर ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सरकार द्वारा कुछ विवरण पहले से सार्वजनिक करने पर नाराज़गी भी जताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े संवेदनशील मामलों को समय से पहले उजागर करना रणनीतिक सोच और गोपनीयता के विरुद्ध है, जिससे दुश्मनों को फायदा मिल सकता है।

विदेश दौरे पर भेजे गए सरकारी प्रतिनिधिमंडलों पर सवाल:

तारिक अनवर ने विदेशों में भेजे गए सरकारी प्रतिनिधिमंडलों की चयन प्रक्रिया पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने पूछा कि क्या ऐसे प्रतिनिधिमंडल राजनीति के आधार पर तय होते हैं या उनमें अनुभव, राजनयिक समझ और देशहित को प्राथमिकता दी जाती है? उन्होंने कहा कि सर्व पक्षीय प्रतिनिधिमण्डल में प्रतिनिधित्व करने के लिए सदस्य मनोनीत करने का अधिकार उस पक्ष का होता है ना कि सरकार का। उन्होंने पारदर्शिता की मांग करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र में जवाबदेही का विषय है।

प्रधानमंत्री मोदी पर सीधा तंज:

इस चर्चा के दौरान तारिक अनवर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि जब पहलगाम में हमला हुआ, तब उन्होंने न तो घटनास्थल का दौरा किया, न ही सेना के जवानों से मुलाकात की, और न ही बिहार के मधुबनी में अपना चुनाव प्रचार रद्द किया। इसके विपरीत, रेलवे टिकट पर अपनी तस्वीर छपवाकर हमला रोकने का श्रेय खुद लेने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि यदि सच्ची संवेदना होती, तो प्रधानमंत्री ज़मीनी हकीकत में उतरते, केवल प्रचार नहीं करते।

राजनीतिक प्रतिक्रिया पर टिप्पणी:

बीजेपी प्रवक्ताओं द्वारा राहुल गांधी के बयान को 'सेना का अपमान' कहने पर तारिक अनवर ने जवाब दिया कि बयानों को उनके पूरे संदर्भ और भाव में समझा जाना चाहिए। राजनीतिक माहौल में शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश करना आम हो गया है, जिससे असल मंशा छिप जाती है।

निष्कर्ष:

यह पॉडकास्ट सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर पर राजनीतिक और सामरिक दृष्टिकोण से रोशनी नहीं डालता, बल्कि यह भी दर्शाता है कि लोकतंत्र में संवाद, आलोचना और जवाबदेही कितनी आवश्यक है। विनोद अग्निहोत्री और तारिक अनवर की यह बातचीत छात्रों, पत्रकारों और नीति-विश्लेषकों के लिए एक अध्ययन योग्य संसाधन बन चुकी है।

पुलिस की सतर्कता से अपहरण की साजिश नाकाम; महिला समेत तीन गिरफ्तार

रिपोर्ट: बीड़ प्रतिनिधि, ८ जून

धन संबंधी लेन-देन को लेकर औंढा नागनाथ क्षेत्र के एक युवक के अपहरण की साजिश को बीड़ जिले की दिंद्रुड़ पुलिस ने समय रहते विफल कर दिया। पुलिस की तत्परता से एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई सहायक पुलिस निरीक्षक महादेव ढाकणे की टीम द्वारा की गई।

मिली जानकारी के अनुसार, स्थानीय अपराध शाखा के पुलिस अधिकारी श्रीराम खटावकर ने दिंद्रुड़ पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी महादेव ढाकणे को सूचना दी कि औंढा नागनाथ तालुका के जवळा बाजार क्षेत्र से एक व्यक्ति का अपहरण किया गया है। अपहृत को कुछ लोग एक कार (क्रमांक ४४ ए.११९१) में डालकर ले गए हैं। मोबाइल लोकेशन ट्रेस करने पर कार की लोकेशन माजलगांव तालुका के पात्रुड क्षेत्र में मिली।

सूचना मिलते ही पुलिस निरीक्षक महादेव ढाकणे ने तुरंत अपनी टीम को तेलगांव भेजा। दोपहर करीब ३:१५ बजे स्थानीय नागरिकों की मदद से संदिग्ध कार को रोका गया और अपहृत बळीराम लिंबाजी सावंत को सुरक्षित मुक्त कराया गया।

घटना में शामिल तीनों अपहरणकर्ता - नामदेव माणिक घोळवे (निवासी अंबेवडगाव, तालुका धारूर)

नागराबाई सुदाम तोंडे (निवासी धार रोड, परभणी; हाल निवासी जवळा बाजार, तालुका औंढा नागनाथ)

बाबुराव गोविंदराव बड़े (निवासी कसारी, तालुका धारूर) -

को मौके से गिरफ्तार कर उनके वाहन सहित दिंद्रुड़ पुलिस थाने लाया गया और उनके विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया।

प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि नागराबाई सुदाम तोंडे ने धन लेन-देन को लेकर अपने सहयोगियों की मदद से बळीराम सावंत का अपहरण किया था। महिला आरोपी भी पुलिस की हिरासत में है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और नागरिकों के सहयोग से एक बड़ा अपराध समय रहते टाल दिया गया, जिसके लिए दिंद्रुड़ पुलिस टीम की सराहना की जा रही है।

मुख्यमंत्री का लेख उल्टा चोर कोतवाल को डांटे' की मिसाल: हर्षवर्धन सपकाळ का पलटवार

मुख्य निर्वाचन अधिकारी चोकलिंगम और किरण कुलकर्णी की नार्को टेस्ट की मांग

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कथित गड़बड़ियों को लेकर विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा उठाए गए सवालों पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में एक लेख लिखा, जिसके जवाब में महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाळ ने रविवार को तीखा हमला किया। उन्होंने फडणवीस के लेख को उल्टा चोर कोतवाल को डांटे की मिसाल बताया और कहा कि राहुल गांधी ने सवाल चुनाव आयोग से पूछे थे, जवाब आयोग को देना चाहिए, न कि भाजपा नेताओं को।

मुख्यमंत्री का लेख हास्यास्पद, भटकाने की कोशिश

टिळक भवन में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में सपकाळ ने कहा, फडणवीस का लेख हास्यास्पद है। राहुल गांधी ने मतों की चोरी और चुनाव प्रक्रिया में हुई गड़बड़ियों पर गंभीर सवाल उठाए हैं। लेकिन भाजपा जनता को भ्रमित करने का प्रयास कर रही है। फडणवीस खुद मत चोरी के लाभार्थी हैं, सत्ता का फायदा उठा रहे हैं और खुद ही चुनाव आयोग की तरफ से सफाई दे रहे हैं। यह शर्मनाक है।

उन्होंने कहा कि, फडणवीस जैसे नेता पहले कहते थे कि वे विदर्भ अलग होने तक शादी नहीं करेंगे, अजित पवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस के साथ कभी नहीं जाएंगे, छगन भुजबळ जेल में रहने योग्य हैं, और नारायण राणे भ्रष्ट हैं। लेकिन अब वे उन्हीं सबके साथ गलबहियां कर रहे हैं। यह मिक्सिंग और फिक्सिंग की राजनीति है।

चुनाव आयोग को क्लीन चिट देना संदेहास्पद

सपकाळ ने आरोप लगाया कि फडणवीस ने चुनाव आयोग को क्लीन चिट देकर और भी संदेह बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। राहुल गांधी के पूर्व के सभी बयान - चीन से खतरा, नोटबंदी का नुकसान, और कोरोना को लेकर चेतावनी - आज सही साबित हो रहे हैं। ऐसे में चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों का जवाब देना आवश्यक है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारियों की नार्को टेस्ट की मांग

सपकाळ ने कहा कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी एस. चोकलिंगम और तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी किरण कुलकर्णी की नार्को टेस्ट करवाई जाए, जिससे महाराष्ट्र में मतों की चोरी का सच सामने आ सके। उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग ने न उउढत फुटेज दिया, न प्रश्नों के जवाब, बल्कि नियम ही बदल डाले।

मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ

राहुल गांधी द्वारा मीडिया के माध्यम से सवाल उठाने पर भाजपा की आलोचना का जवाब देते हुए सपकाळ ने कहा, क्या चुनाव आयोग को यह मान्य नहीं कि मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है? आयोग को कांग्रेस द्वारा पूछे गए सवालों के वस्तुनिष्ठ उत्तर देने चाहिए।

गडचिरोली के दौरे सिर्फ मलिदे' के लिए

फडणवीस द्वारा गडचिरोली दौरे का जिक्र किए जाने पर सपकाळ ने कटाक्ष करते हुए कहा, वे गडचिरोली इसलिए जाते हैं क्योंकि वहां की खदानों से मलिदा (लाभ) मिलता है, इसलिए उन्होंने गडचिरोली का पालकमंत्री पद ले रखा है। जबकि हम वहां जाकर चुनावी धोखाधड़ी के खिलाफ जनजागृति करेंगे।

सपकाळ के बयानों ने एक बार फिर महाराष्ट्र की राजनीति को गर्मा दिया है और विधानसभा चुनाव में निष्पक्षता को लेकर बहस तेज कर दी है।

जिंतूर शहर में बकरीद ईद उत्साह के साथ मनाई और सामाजिक सलोखा और शांतता के लिए दुवॉ की

जिंतूर (एम एजाज जिंतूरकर) मुस्लिम समाज बांधव ने बकरीद ईद (ईद उल अजहा) दि७ जुन शनिवार को बड़े उत्साह के साथ मनाई! शहर के दोनों ईदगाह शमशोद्दीन में सुबह८:३० बजे और ईदगाह सुलेमानी में ९:०० बजें ईद की नमाज अदा की गई! ईदगाह शमशोद्दीन में मुफ्ती मिर्झा कलीम बेग की रहेनुमाईमे ईद की नमाज अदा की तो ईदगाह सुलेमानी में मौलाना अब्दुल जलील ताबींश मिल्ली के और मौलाना तजम्मुल अहेमद खान मिल्ली के रहेनुमाई में ईद की नमाज मौलाना तजम्मुल अहेमद खान मिल्ली ने अदा की ईद के नमाज के लिए! दोनो ईदगाह पर मुस्लिम समाज बांधव बड़ी संख्या में उपस्थित थे! समाज बांधव ने सामुहिक नमाज अदा की धार्मिक व्याख्यान और नमाज के बाद खुदबा और उसके बाद देश में सुख शांति और समृद्धि सामाजिक सलोखा के लिए! बारगाहे इलाही में रो रो कर दुवॉ मांगी गई! शहर के अधिकतर मस्जिदो में सुबह ७ बजे से ईदुअजहा की नमाज अदा की गई! नमाज अदा करने के बाद मुस्लिम समाज बांधव ने एक दूसरे को गले मिल कर ईद की मुबारक बाद दी कुर्बानी के समय पर इतर धर्मीय समाज बांधव को कोई तकलीफ़ ना हों इस का समाज बांधव ने ध्यान रखना चाहिए! ऐसी विषेश सुचना धर्मगुरु वो नै दी पोलीस प्रशासन ने सतर्कता से पोलीस बंदोबस्त रखा! ईद की नमाज अदा करने के बाद शहर के सभी कब्रस्तानो मे और दर्गाहो पर मरहुमीन की जयारत करने के लिए! मुस्लिम समाज बांधव ने बड़ी संख्या में दिखाई दिया! सोशल मीडिया पर ईद की शुभकामनाएं के संदेश की बरसात हुई!

चुनाव पारदर्शी होते तो २५ सीटें भी नहीं जीत पाते - संजय राऊत का तीखा हमला

रिपोर्ट: जमीर काज़ी, मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लिखे गए लेख और उस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की प्रतिक्रिया के बाद राज्य की राजनीति में चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली एक बार फिर चर्चा में है। इसी संदर्भ में ठाकरे गुट के नेता एवं सांसद संजय राऊत ने भी आक्रामक रुख अपनाते हुए चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

संजय राऊत ने कहा कि महायुती को मिला चुनावी परिणाम पारदर्शी नहीं था। उन्होंने दावा किया कि अगर चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से होते, तो बीजेपी २५ सीटें भी नहीं जीत पाती। यह चुनाव पूरी तरह हायजैक किया गया।

राऊत ने कहा, हम पहले से ही कह रहे हैं कि विधानसभा चुनाव बीजेपी ने चुराया, लूटा और इस पर डाका डाला। राज्य में बीजेपी और उसकी टोलियों की जीत संभव ही नहीं थी। लोकसभा चुनाव में छह महीने पहले हम जीतकर आए थे, तो उसके बाद ऐसा क्या हुआ कि इतनी एकतरफा जीत उन्हें मिल गई?

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि लाडकी बहन' के नाम पर बीजेपी ने चुनाव हायजैक कर लिया। राहुल गांधी ने जो पांच मुख्य मुद्दे उठाए थे, वे पहले भी कई बार उठाए गए हैं और अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी रखे जा रहे हैं। राऊत ने केंद्र सरकार पर सीधा हमला करते हुए कहा, भारत की लोकतंत्र व्यवस्था को मोदी-शाह-फडणवीस की तिकड़ी ने हायजैक कर लिया है। चुनाव आयोग समेत कई संवैधानिक संस्थाओं को दबाया गया है। अगर झूठ बोलने के लिए कोई नोबेल पुरस्कार होता, तो बीजेपी और प्रधानमंत्री मोदी को वह मिलना चाहिए।

एकनाथ शिंदे पर भी हमला

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को निशाने पर लेते हुए संजय राऊत ने कहा, उनका बाळासाहेब ठाकरे के प्रति प्रेम दिखावटी और बनावटी है। २०२२ में जब शिवसेना में बगावत हुई, तो शिंदे ने जांच एजेंसियों के डर से पार्टी तोड़ी। उन्होंने मुझे भी साथ चलने के लिए कहा था, लेकिन मैं डरकर भागने वाला नहीं हूं। मैंने उन्हें साफ शब्दों में कहा कि मैं बाळासाहेब के विचारों से गद्दारी करने वाला नहीं हूं।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com